सत्रीय कार्य

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर(प्रथम वर्ष)

पाठ्यक्रम : एम.ए.आर.डी.

2014-15

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स,वर्धा (महाराष्ट्र) 442005
फोन/फैक्स:- 07152-247146 वेबसाइट रू. www.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

अमित राय
सहायक प्रोफेसर

दूरभाष/Phone:+ 07152-247146
फैक्स/Fax: + 07152-247146
ई-मेल - raiamit14@gmail.com

पत्रांक: 023/09/स.का.फा./31/
दिनांक :

एम.ए. (आर.डी.) (प्रथम वर्ष) सत्रीय कार्य

<u>सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश</u>

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पत्र के लिए सत्रीय कार्य करना हैं। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर ही देना है। कहीं-कहीं आपको अतिरिक्त पाठ्यसामग्री की सहायता लेनी पड़ सकती है। आप चाहें तो कार्यक्रम संयोजक की मदद पत्राचार, ई-मेल, दूरभाष माध्यम से ले सकते हैं।

सत्रीय कार्य शुरू करने से पूर्व आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखिए। यह आपके लिए उपयोगी होगा

1. **योजना** : सत्रीय कार्यो को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इनसे सम्बंधित इकाइयों का दोबारा अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए प्रमुख मुद्दों को एक कागज पर नोट कीजिए। उसके बाद उन्हें क्रम दीजिए।
2. **संगठन** : अपने उत्तर की मोटी रूपरेखा बनाने से पहले अपना ध्यान कुछ मुद्दों पर केंद्रित कीजिए। और उनका विश्लेषण कीजिए। प्रस्तावना और सारांश पर विशेष ध्यान दीजिए।
   क. तर्क संगत और प्रवाहपूर्ण हो,
   ख. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो,
   ग. आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति सटीक हो।
3. **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट होने पर इसका अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए। उत्तर साफ-साफ A-4 कागज पर लिखिए और जिन मुद्दो पर बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित कीजिए। सत्रीय कार्य की एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्य रूप से रखें।

शुभकामनाओं के साथ,

(अमित राय)

सत्रीय कार्य निर्धारित पता पर प्राप्ति की **अंतिम तिथि दिनांक 30अप्रैल, 2015** तक अवश्य भेज दें। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त सत्रीय कार्य किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

पता

निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र)
442005

फोन/फैक्स:- 07152247146 वेबसाइट . **www.hindivishwa.org**

निर्देश : प्रिय विद्यार्थी, सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाहिने सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए ।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : --------------------------------------

नाम : ---

पता : ---

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ----------------------------

सत्रीय कार्य कोड : ---------------------------------

दिनांक : --

----

1. उत्तर के लिए केवल **A-4** साइज के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बांध लें।
2. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
3. अपनी लिखावट में उत्तर दें।
4. सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए **निदेशक,दूर शिक्षा निदेशालय,पोस्ट :- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स, पिन- 442005** के पास **अंतिम तिथि दिनांक 30अप्रैल, 2015** तक अवश्य भेज दें।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

सत्रीय कार्य (Assignment)

2014-2015

अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर ;प्रथम वर्ष)

M.A.Rural Development (First Year)

निर्देश

इस सत्रीय कार्य के दो भाग है।

1. भाग 'अ' में तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न है, इन प्रश्नों का उत्तर 800 से 1000 शब्दों में देना है। कुल अंक 18 हैं।
2. भाग 'ब' में कुल छह लघुउत्तरीय प्रश्न है, इन सभी प्रश्नों का उत्तर 200 से 300 शब्दों में देना है। कुल अंक 12 हैं।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. सभी उत्तरों को A-4 साइज के कागज पर अपनी हस्तलिपि में लिखना है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

सत्रीय कार्य (Assignment)

अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015

2013-2014

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर ;प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र - एक

ग्राम विकासः भारतीय सन्दर्भ

विषय कोड : एमआरडी-101

Subject Code : MRD-101

कुल अंक : 30
Total Marks : 30

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

खण्ड - अ

Section – A

Note : Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. All questions are compulsory.

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. विकास में सम्मिलित महत्वपूर्ण मुद्दे कौन से हैं? भारत में विकास की प्रक्रिया को विकेन्द्रीकृत करना आवश्यक क्यों माना गया?

प्रश्न 2. 1960 के दशक में भारतीय योजनाकारों को हरित क्रांति की कार्यनीति को अपनाने के लिए किसने बाध्य किया? हरित क्रांति के कारण समक्ष आए कुछ समस्या क्षेत्रों की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3. संचार को परिभाषित कीजिए और ग्राम विकास में सूचनाएं,शिक्षा और संचार की भूमिका की चर्चा कीजिए।

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

खंड - ब

Section – B

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Write your answer in 200 to 300 words each. All questions are compulsory.

प्रश्न 1. भारत में कृषि विस्तार प्रणाली के समक्ष आने वाली समस्याएं कौन सी हैं?

प्रश्न 2 संविधान के 73वें संशोधन अधिनियम विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 3 भारत में ग्रामीण ऋण स्थिति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 4 सहकारी विपणन से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 5 स्व-सहायता समूह क्या है?

प्रश्न 6 अंतर्राष्ट्रीय निर्भरता के से आप क्या समझते हैं?

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

सत्रीय कार्य (Assignment)

2013-2014

अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर ;प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र - दो

ग्राम विकास कार्यक्रम

(कोर्स कोड: एमआरडीई-102)

खंड-अ
Section – A

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

Note : Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. All questions are compulsory.

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1 गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा अपनाई गई कार्यनीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 2. प्रधानमंत्री रोजगार योजना के उद्देश्य कौन से हैं? पी एम आरवाई की जिला, राज्य व केंद्र स्तरों पर विभिन्न समितियों के माध्यम से की जाने वाली निगरानी की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. संयुक्त वन प्रबंधन की अवधारणा और उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। संयुक्त वन प्रबंधन में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका की जांच कीजिए।

खंड-ब
Section – B

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Write your answer in 200 to 300 words each. All questions are compulsory.

प्रश्न 1. राष्ट्रीय महिला कोष के मुख्य उद्देश्य कौन से हैं? राष्ट्रीय महिला कोष से ऋण लेने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 2. भारत में ग्रामीण आवास की समस्या की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. ग्राम विकास की प्रक्रिफया में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 4. ट्राइसेम के उद्देश्य लिखें

प्रश्न 5. परिक्रामी ऋण तंत्र क्या है?

प्रश्न 6. नाबार्ड क्या है?

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

सत्रीय कार्य (Assignment)

2013-2014

अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर ;प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र - तीन

ग्राम विकास योजना और प्रबंधन

(कोर्स कोड: एमआरडी-103)

खंड-अ

Section – A

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

Note : Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. All questions are compulsory.

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1. योजना से आप क्या समझते हैं? ग्राम विकास में योजना के सिद्धान्तों और तकनीकों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2. निगरानी सूचना प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक चरणों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 3. सामाजिक प्रक्रिया क्या है? सामाजिक प्रक्रिया की विभिन्न कार्यनीतियों का वर्णन कीजिए।

खंड-ब

Section – B

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न । अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Write your answer in 200 to 300 words each. All questions are compulsory.

प्रश्न 1. खंड योजना के अर्थ और कार्यक्षेत्र की व्याख्या कीजिए। खंड स्तर पर परिप्रेक्ष्य योजना कैसे बनाई जाती है?

प्रश्न 2. जन भागीदारी की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? ग्राम विकास कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. सोचिए कि आप एक स्वैच्छिक संगठन शुरू करना चाहते हैं। आपको संगठन के पंजीकरण के लिए क्या करना होगा।

प्रश्न 4. योजना आयोग के कार्य लिखें

प्रश्न 5. पंचायती राज संस्था के मुख्य कार्य क्या हैं?

प्रश्न 6. जिला योजना एजंेसियां कौन सीं हैं?

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

सत्रीय कार्य (Assignment)

2013-2014

अंतिम तिथि दिनांक 30 अप्रैल, 2015

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर ;प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र - चार

ग्राम विकास में अनुसंधान पद्धतियाँ

(एम.ए.आर.डी.-004)

खंड-अ
Section – A

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

Note : Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. All questions are compulsory.

नोट - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1 ग्राम विकास में अनुसंधान से आप क्या समझते हैं,वैज्ञानिक अनुसंधान के आधारों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 2. ग्राम विकास से जुड़े अनुसंधान के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र कौन से हैं? विवेचना कीजिए।

प्रश्न 3. ग्राम विकास अनुसंधान में आंकड़ा संग्रहण के साधन के रूप में प्रश्नावली को स्पष्ट कीजिए।

खंड-ब
Section – B

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट - लघु उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Write your answer in 200 to 300 words each. All questions are compulsory.

प्रश्न 1. ‘प्रयोगात्मक अनुसंधान की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2. ‘परिमाणात्मक आंकड़ों से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. आंकड़ा संग्रहण में एक सही साधन और उसका निष्पक्ष उपयोग गुणवत्ता को सुनिश्चित करता है| चर्चा कीजिए।

प्रश्न 4 व्यावहारिक अनुसंधान क्या है?

प्रश्न 5. एक अच्छी परिकल्पना की विशेषताएं लिखिए

प्रश्न 6.मूल्यांकन अनुसंधान क्या है?

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर ;प्रथम वर्ष

अंतिम तिथि दिनांक 30अप्रैल, 2015

M.A.Rural Development (First Year)

विषय कोड: एमआरडीपी

Subject : **M.A.Rural Development (First Year)**

Subject Code : MRDP001

कोर्स शीर्षक: लघु शोध निबंध (परियोजना कार्य)
Course Title : Research and Project Work

कोर्स कोड: एमआरडीपी
Course Code : MRDP001

अधिकतम अंक : 100
Maximum Marks : 100

परियोजना कार्य

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर का प्रश्न पत्र -05 एक परियोजना कार्य है। आप अपनी पसंद के एक विषय पर परियोजना कार्य कर सकते है। परियोजना कार्य, **ग्राम विकास में स्नातकोत्तर** कार्यक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ग्रामीण विकास से जुड़े विकास के विभिन्न मुद्दों को समझने के लिए ग्राम विकास के विषय का विशेष महत्त्व है|यह 12 क्रेडिट का कार्यक्रम है| ग्राम विकास में इस तरह का परियोजना कार्य एक निर्णायक घटक है जो ग्रामीण क्षेत्रों में किये गए अनुभवजन्य शोध पर आधारित है|यह एक ऐसा अप्रत्यक्ष तरीका है जिसके माध्यम से आप ग्राम विकास से संबंधित व्यवस्थित रूप से नई जानकारी मिलने में मदद मिलेगी। यह नए तथ्य एकत्र करने, उनकी तालिका बनाने, विश्लेषण करने और उपलब्धियों पर विचार-विमर्श करने की व्यवस्थित पद्धति है। परियोजना कार्य के द्वारा आपको ग्राम विकास से संबंधित क्षेत्र की कुछ समस्याओं को अच्छी तरह से जानने में मदद मिलेगी। परियोजना कार्य के अन्त में आपको परियोजना रिपोर्ट लिखनी होती है।विद्यार्थी को एक अपने क्षेत्र से सम्बंधित किसी समस्या का चुनाव कर उस पर मूल शोध कार्य करना होता है|

परियोजना कार्य के विभिन्न चरण

परियोजना कार्य को पूरा करने में कुछ चरण शामिल हैं-

1. विषय का चयन:-

किसी भी शोध कार्य के लिए पहला चरण, विषय का चयन होता है। हमारी सलाह है कि आप ऐसा विषय चुनिए जिसके अपेक्षित संसाधन आपको उपलब्ध हों। शीर्षक चुनने का एक तरीका यह होगा कि आप **ग्राम विकास में स्नातकोत्तर** कार्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री में दी हुई विभिन्न इकाईयों का अध्ययन करें। ये इकाईयां आपको विस्तृत विकल्प प्रदान करेंगी, जिसके आधार पर आप ग्राम विकास से संबंधित किसी भी पहलू का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसा विषय चुनिए जो आपकी रूचि का हो, अति महत्वाकांक्षी नहीं हों।

2. आंकड़ा संग्रहण के साधन तैयार करना:-

ग्राम विकास में स्नातकोत्तर के विद्यार्थी अनुभवजन्य (आनुभाविक) अध्ययन कर सकते हैं। अनुभवजन्य अध्ययनों में आप साक्षात्कार, अनुसूची, साक्षात्कार गाइड और प्रेक्षण जैसे साधनों का प्रयोग कर सकते हैं।

3.आंकड़ा संग्रहण:-

''**ग्राम विकास में स्नातकोत्तर**' कार्यक्रम का एक उद्देश्य यह है कि ग्राम विकास से संबंधित क्षेत्रों के व्यवहारिक ज्ञान से आप परिचित हो सकें, उनकी समस्याओं को जान सकें और अपनी जानकारियों में नये ज्ञान का समावेश कर सकें। जब आपके पास आंकड़ा संग्रहण के साधन हो जाएं तो आप आंकड़ा संग्रहण का वास्तविक कार्य आरंभ कर सकते हैं। आपको अपने उत्तरदाताओं के साथ तालमेल स्थापित करना होगा और विस्तृत क्षेत्र नोट (Extensive Notes) तैयार करने होंगे। वांछित आंकड़ों को एकत्र करने के लिए आपको कई बार अपने अध्ययन क्षेत्र में जाना होगा। इससे आपको हतोत्साहित नहीं होना है। जितना अधिक परस्पर संपर्क होगा उतने अधिक अच्छे परिणाम होंगे।

4. आंकड़ा विश्लेषण:-

परियोजना कार्य में आंकड़ा विश्लेषण बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है। आपको अपनी अनुसूचियों और फील्ड नोट की संवीक्षा करनी चाहिए उन्हें ठीक करना चाहिए और प्रत्येक उत्तर के साथ उचित कोड देना चाहिए तथा संगणना एवं तालिका के लिए मुख्य चार्ट में इन्हें सावधानीपूर्वक अंकित करना चाहिए। तब तालिका कार्य पूरा हो जाए तो तालिकाबद्ध आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग करना चाहिए। प्रेक्षण, साक्षात्कार गाइड और केस अध्ययनों के माध्यम से एकत्र की गई सूचना को सहायक साक्ष्य के रूप में प्रयोग करें।

5. परियोजना कार्य लेखन:-

आंकड़ा संग्रहण और तालिका पूरी करने के बाद आप परियोजना रिपोर्ट लिखें। परियोजना कार्य को निम्न शीर्षकों के अंतर्गत तैयार करना आवश्यक है।

a. प्रस्तावना:-

इस शीर्षक के अंतर्गत अपनी परियोजना के बारे में सक्षिप्त में संपूर्ण जानकारी देनी है।

b. अवधारणा:-

किसी भी परियोजना को करने से पूर्व शोधार्थी अपने विषय क्षेत्र से संबंधित एक धारणा निर्माण करता है, जो परियोजना कार्य की संपूर्णता के उपरांत सही या गलत दोनों तरह के निर्णय पर पहुँच सकती है। यहां उस क्षेत्र से संबंधित अवधारणा को रखना आवश्यक है।

c. अध्ययन क्षेत्र:-

परियोजना कार्य किस क्षेत्र को ध्यान में रखकर केंद्रित किया गया है, उसकी जानकारी देना भी परियोजना कार्य के लिए महत्वपूर्ण होता है।

d. शोध-प्रविधि:-

परियोजना कार्य के लिए उपयोग में लायी गयी शोध-प्रविधियों के बारे में इस शीर्षक के अंतर्गत जानकारी देना है।

e.अध्याय विभाजन:-

शोध परियोजना को विभिन्न अध्यायों के माध्यम से पूरी तरह व्यक्त किया जा सकता है एवं शोध से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग अध्यायों में प्रकाश डाला जाता है।

प्रस्तावना

i) अध्याय - 1

ii) अध्याय - 2

iii) अध्याय - 3

iv)अध्याय - 4

f. विश्लेषण:-

इस अध्याय में शोध से संबंधित आंकड़ों या तथ्यों का विश्लेषण दिया जाना शोध को बेहतर बनाता है।

g. उपसंहार:-

इस अध्याय में शोध को लेकर बनायी गयी अवधारणा के संबंध में क्या-क्या तथ्य सामने आये, यह शोध क्या लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो पाया या नहीं, इसका विश्लेषण करना आवश्यक है।

h. संदर्भ सूची:-

इस शीर्षक के अंतर्गत शोध के दौरान किन पुस्तकों, साहित्य, पत्र-पत्रिकाओं, डायरी आदि से तथ्यों का एकत्रीकरण किया गया है, उनका विवरण दिया जाना आवश्यक है।

परियोजना कार्य भेजना:-

60-70 पृष्ठों में डबल स्पेस में टाइप हुई रिपोर्ट अच्छी प्रकार जिल्द में बांधकर भेजनी होगी। रिपोर्ट का प्रथम पृष्ठ (संलग्न परिशिष्ट -1) के प्रारूप में होगा।

आप रिपोर्ट के में इस आशय का एक घोषणा-पत्र (संलग्न परिशिष्ट -2) प्रस्तुत करें कि किया गया कार्य, मूल कार्य है और किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य संस्था को पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है।

परियोजना कार्य में विद्यार्थी की नामांकन संख्या, कार्यक्रम, नाम और पता अवश्य होना चाहिए। आपको परियोजना रिपोर्ट और स्वीकृत परियोजना प्रस्ताव की एक प्रति रखनी चाहिए। विश्वविद्यालय को भेजी गई रिपोर्ट, विद्यार्थी को लौटाई नहीं जाएगी।

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत 'ग्राम विकास में स्नातकोत्तर'

हेतु प्रस्तावित लघु शोध परियोजना कार्य
लघु शोध परियोजना- विषय:-

■...●

नमूना प्रति

निदेशक

अमित राय
सहायक प्रोफेसर,दूर शिक्षा निदेशालय
पाठ्यक्रम संयोजक
म.ग.अ.हि.वि.,वर्धा

प्रस्तुतकर्ता

शोधार्थी का नाम --------------------

सत्र ------------------------------

पाठ्यक्रम ------------------------------

नामांकन संख्या - ------------------------

अध्ययन केंद्र का नाम ---------------------

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

परिशिष्ट -2

घोषणा

मैं एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा दूर शिक्षा निदेशालय,वर्धा को भेजा गया परियोजना कार्य जिसका
शीर्षक ....
....
है, **ग्राम विकास में स्नातकोत्तर** का आंशिक भाग है और यह मेरा स्वयं का मूल कार्य है और किसी अन्य अध्ययन कार्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए न तो दूर शिक्षा निदेशालय,वर्धा और न ही किसी अन्य संस्था को पहले भेजा गया है।

हस्ताक्षर

विद्यार्थी की नामाकंन संख्या.....................................

नाम और पता ....

स्थान
तारीख